इटरनल फ्लेम ऑफ होम्योपैथी अवार्ड

चर्चा में क्यों?

लखनऊ के वरिष्ठ **होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. पी.के. शुक्ला** को होम्योपैथी में उनके **उत्कृष्ट योगदान** के लिये **इटरनल फ्लेम ऑफ होम्योपैथी अवार्ड** से सम्मानित किया गया।

- यह पुरस्कार क्रिकेट के दिग्गज **सुनील गावस्कर** द्वारा चौथे **अखिल भारतीय होम्योपैथी अनुसंधान शिखर सम्मेलन 2025** में प्रदान किया गया, जो 16 अगस्त 2025 को **JW मैरियट, गोवा** में **बर्नेट होम्योपैथी प्राइवेट लिमिटेड** द्वारा आयोजित किया गया था।

होम्योपैथी

- होम्योपैथी एक **चिकित्सा प्रणाली** है, जो शरीर की **प्राकृतिक उपचार क्षमता** को सक्रिय करती है तथा इसके प्रभावों को बढ़ाने और दुष्प्रभावों को कम करने के लिये अत्यधिक **तनुकृत पदार्थों** का उपयोग करती है।
- भारत में इसका प्रवेश 18वीं शताब्दी में हुआ। प्रत्येक वर्ष **10 अप्रैल को** 'विश्व होम्योपैथी दिवस' इसके संस्थापक **डॉ. हैनिमैन** के सम्मान में मनाया जाता है।

नोट: क्रॉसपैथी वह स्थिति है, जहाँ स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर अपनी मान्यता प्राप्त विशेषज्ञता से परे उपचार प्रदान करते हैं या दवाएँ लिखते हैं, जैसे **आयुष चिकित्सक** (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी) यदि ऐसी चिकित्सीय प्रक्रियाएँ करें या दवाएँ लिखें जो सामान्यतः **एलोपैथिक** (आधुनिक) चिकित्सा के लिये आरक्षित होती हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/eternal-flame-of-homeopathy-award